ASTRO ARPITA NATH

वैदिक ज्योतिष में गुलिक को समझना

Arpita Nath द्वारा · समय एवं फलित · 2026-09-10

गुलिका (जिसे मांदी भी कहा जाता है) वैदिक ज्योतिष में उपयोग किया जाने वाला एक प्रमुख गणितीय संवेदनशील बिंदु या उपग्रह है। भौतिक ग्रहों के विपरीत, गुलिका का कोई ठोस शरीर नहीं होता है - यह शनि की स्थिति और गति के आधार पर गणना किया जाने वाला एक छायादार, कार्मिक बिंदु है।

पारंपरिक ग्रंथों में (विशेष रूप से दक्षिण भारतीय ज्योतिष और प्रश्न ज्योतिष में), गुलिका को कुंडली में सबसे अशुभ प्रभावों में से एक माना जाता है, जो अक्सर एक छोटे शनि (मिनी-शनि) के रूप में कार्य करता है।

गुलिका की गणना कैसे की जाती है

Gulika Calculator

गुलिका दिन या रात के समय शनि द्वारा शासित एक विशिष्ट समयावधि का प्रतिनिधित्व करता है।

• दिन (सूर्योदय से सूर्यास्त तक) और रात (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) को 8 बराबर भागों में विभाजित किया जाता है।

• प्रत्येक भाग को सप्ताह के दिनों के एक विशिष्ट क्रम में एक ग्रह सौंपा जाता है।

• शनि द्वारा शासित खंड को गुलिका काल कहा जाता है।

• जिस सटीक क्षण में शनि का खंड शुरू होता है, उस समय उदित होने वाला सटीक लग्न आपकी जन्म कुंडली में गुलिका की डिग्री बन जाता है।

मुख्य विशेषताएं और कारकत्व

• **कार्मिक लेखा परीक्षक (ऑडिटर)**: गुलिका इस बात पर प्रकाश डालता है कि आप पर पिछले जन्मों का भारी कर्म, रुकावटें या अत्यधिक अनुशासन की आवश्यकता वाले सबक कहाँ हैं।

• **विलंब और बाधाएं**: संवेदनशील भावों में स्थित होने पर, यह शनि के समान ही संघर्ष, देरी या अप्रत्याशित जटिलताएं पैदा करता है।

• **स्वास्थ्य और जीवन शक्ति**: यदि यह प्रथम, छठे या आठवें भाव से जुड़ा हो, तो यह अंतर्निहित पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं या ऊर्जावान अवरोधों की ओर इशारा कर सकता है।

• **रहस्यमयी ऊर्जा**: यह रहस्यों, अदृश्य देरी, पितृ ऋण और गहरे मनोवैज्ञानिक भयों को नियंत्रित करता है।

प्रमुख भावों में गुलिका

• **प्रथम भाव**: आत्मनिरीक्षण या शांत स्वभाव, संभावित शारीरिक थकान या जीवन में जल्दी ही भारी व्यक्तिगत जिम्मेदारियों को उठाने की भावना लाता है।

• **दूसरा भाव**: अप्रत्याशित वित्तीय खर्च, कठोर या सीधी वाणी या पारिवारिक संबंधों में तनाव का कारण बन सकता है।

• **चौथा भाव**: घरेलू शांति में अशांति, संपत्ति के मामलों में बाधाएं या घर पर भावनात्मक बेचैनी को दर्शाता है।

• **सातवां भाव**: विवाह में गलतफहमियां, जीवनसाथी मिलने में देरी या व्यावसायिक अनुबंधों में टकराव पैदा करता है।

• **आठवां भाव**: सहज और गूढ़ (गुप्त) क्षमताओं को तीव्र करता है, लेकिन जीवन में अचानक बदलाव या पुरानी स्वास्थ्य संबंधी बाधाएं ला सकता है।

निष्प्रभावीकरण और सकारात्मक पहलू

गुलिका पूरी तरह से नकारात्मक नहीं है। अन्य पाप ग्रहों की तरह, यह उपचय भावों (तीसरे, छठे और 11वें) में अच्छा कार्य करता है:

• **तीसरा भाव**: अत्यधिक साहस, प्रबल इच्छाशक्ति और विरोधियों पर विजय प्रदान करता है।

• **छठा भाव**: शत्रुओं का नाश करता है, कानूनी/व्यावसायिक विवादों को जीतने में मदद करता है और बीमारियों के प्रति उच्च प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है।

• **11वां भाव**: अपार धन के द्वार खोलता है, कड़ी मेहनत से लाभ दिलाता है और समय के साथ बड़ी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करता है।

इसके अलावा, यदि गुलिका का भावेश (वह ग्रह जिसकी राशि में गुलिका स्थित है) मजबूत, उच्च का या अच्छी स्थिति में हो, तो इसके नकारात्मक प्रभाव निष्प्रभावी हो जाते हैं, जिससे गुलिका का दबाव गहन रणनीतिक ज्ञान में बदल जाता है।

https://astroarpitanath.com/hindi/what-is-gulika/
ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।